श्रमिक संघ Trade Union

भारत में आधुनिक उद्योगों का शुरुआत 1850 से 1870 के बीच हुआ।

औद्योगीकरण के कारण निम्न बुराईयाँ भी आने लगी —

1. अधिक समय तक श्रमिक से काम लेना.
2. कठिन श्रम,
3. आवास की सुविधा,
4. कम पारिश्रमिक
5. मृत्युदर में अधिक व्यापकता

Prof. (Dr.) Ajay Kumar Singh
Associate Prof. cum H.O.D.,
Deptt. Of L.S.W.,
S.N.S.R.K.S. College, Saharsa
E-mail: drajaysaharsa@gmail.com

1884 में पहला श्रमिक संघ "बम्बई मिल हैण्ड्स एसोसिएशन" की स्थापना एन० एम० लोखण्डे के नेतृत्व में हुआ। इस संगठन ने मराठी भाषा में दीनबन्धु अखबार निकालना प्रारंभ किया।

1897 में रेलवे सर्वेन्ट्स आफ इण्डिया एण्ड बर्मा की स्थापना हुई।

1905 में कलकत्ता प्रिन्टर्स यूनियन की स्थापना हुई। 1907 में बम्बई पोस्टल यूनियन तथा 1910 में कामगार हितवर्धक सभा की स्थापना हुई।

इन सारे संगठन का एक ही उद्देश्य था कि बनी प्रणाली के व्याप्त बुराई को दूर करना।

AI QUAD CAMERA
Shot on realme 5

इसमें और श्रमिक भी नियोजक की समस्याओं तथा कठिनाईयों से अवगत रहते हैं। वे जानते हैं कि और क्रियाकलाप से उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, नियोजक के साथ-साथ उसकी भी हानि होसकती है। उत्पादन के ठप पड़ने तथा उद्योग के बन्द होने से दोनों पक्षकारों की हानि होती है।

इसप्रकार उद्योग के नियोजक तथा श्रमिकों की सहमति से कुछ संस्थाएँ भारत में स्थापित की गयी हैं।

(i) संयुक्त प्रबन्ध परिषद।

(ii) प्रतिनिधान परिषद।

(iii) सुरक्षा समिति।

त्रिदलीय संगठनों में भारत में निम्न संगठन हैं।

(i) भारतीय श्रम सम्मेलन।

(ii) स्थायी श्रमसमिति।

(iii) शाखा श्रमसलाहकार बोर्ड

(iv) औद्योगिक समिति।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि आधुनिक औद्योगिक प्रणाली, नियोजक तथा श्रमिक के सहयोग पर आधृत है। सहयोग में दोनों पक्षों का हि[illegible] रहता है।

AI QUAD CAMERA
Shot on realme 5